जनप्रिय कवि विद्यापति

त्रिभुवन विश्वविद्यालय, मानविकी तथा सामाजिक शास्त्र सङ्काय,
हिन्दी केन्द्रीय विभाग अन्तर्गत स्नातकोत्तर द्वितीय वर्षके
दसवें पत्रके प्रयोजनार्थ प्रस्तुत

शोध प्रवन्ध

निर्देशक
प्रा.डा.आशा सिन्हा
पूर्व अध्यक्ष हिन्दी विभाग
रा.रा.व.क्याम्पस, जनकपुर

शोधार्थी
रागनी झा
हिन्दी केन्द्रीय विभाग
त्रिभुवन विश्वविद्यालय
कीर्तिपुर, काठमाडू
२०७०

शोध-निर्देशक
प्रा.डा.आशा सिन्हा

जनप्रिय कवि विद्यापति

त्रिभुवन विश्वविद्यालय, मानविकी तथा सामाजिक शास्त्र सङ्काय,
हिन्दी केन्द्रीय विभाग अन्तर्गत स्नातकोत्तर द्वितीय वर्षके
दसवें पत्रके प्रयोजनार्थ प्रस्तुत

शोधपत्र

शोधार्थी
रागनी झा
हिन्दी केन्द्रीय विभाग
त्रिभुवन विश्वविद्यालय
कीर्तिपुर, काठमाडू
२०७०

शोधनिर्देशक के मन्तव्य

मैं प्रमाणित करती हूँ कि-हिन्दी एम.ए.द्वितीय वर्ष की छात्रा रागनी झा ने मेरे निर्देशन में **जनप्रिय कवि विद्यापति** शीर्षक शोध पत्र परिश्रम पूर्वक तैयार किया है । मैं इस शोधपत्र से सन्तुष्ट हूँ । जहाँ तक मेरी जानकारी है इस विषयपर किसी अन्य अनुसंधाता ने शोध पत्र प्रस्तुत नहीं किया है योग्यता एवं शक्ति की दृष्टि से शोधकर्त्री मूल्याङ्कन योग्य है ।

मिति: २०७०/ /

.....

(प्रा.डा.आशा सिन्हा)

अध्यक्ष हिन्दी विभाग

रा.रा.व.क्याम्पस

जनकपुरधाम, जनकपुर

त्रिभुवन विश्वविद्यालय

हिन्दी केन्द्रीय विभाग

कीर्तिपुर, काठमाडू

स्वीकृतिपत्र

त्रिभुवन विश्वविद्यालय, मानविकी तथा समाजिकशास्त्र सङ्कायअन्तर्गत हिन्दी केन्द्रीय विभाग की छात्रा रागनी झा ने स्नातकोत्तर द्वितीय वर्ष के दसवें पत्र के प्रयोजनार्थ तयार किया **जनप्रिय कवि विद्यापति** शीर्षक के प्रस्तुत शोधपत्र आवश्यक मूल्याङ्कन के लिए अग्रसारित करती हूँ ।

शोध मूल्याङ्कन समिति

क्र.सं.	पद	नाम	हस्ताक्षर
१.	**विभागीय प्रमुख**		.....
२.	**शोध निर्देशक**	**प्रा.डा. आशा सिन्हा**	.....
३.	**वाह्य परीक्षक**		.....

मिति: २०७०/ /

दो शव्द

त्रिभुवन विश्वविद्यालय मानविकी संकाय, कीर्तिपुर हिन्दी शिक्षण केन्द्रीय विभाग के आंशिक आवश्यकता पूरा करने के लिए अभिनव जयदेव, कवि कोकिल विद्यापतिको जनप्रतिनिधित्व रुपमें प्रतिष्ठापित करने के लिए-"जनप्रिय कवि विद्यापति" शीर्षक शोध पत्र तैयार करने मे अपना कुशल निर्देशन प्रदान करनेवाली प्रा.डा. आशा सिन्हा के प्रति हार्दिक कृतज्ञता ज्ञापन करती हूँ।

इस शोध पत्र में अपना अमूल्य सुझाव देकर प्रोत्साहित करने वाले उप प्राध्यापक विभागाध्यक्ष श्री वसन्त विश्वकर्माजी कें प्रति आभारा-व्यक्त करती हूँ। इसीक्रम मे पुजनीय पिता प्राध्यापक (नेपाल संस्कृत विश्वविद्यालय) श्री ताराकान्त झा जी द्वारा समय-समय में अपने विद्वतापूर्ण विचार विमर्श और तथ्य संकलन में सहयोग के लिए मै उनके प्रति सदा ऋणी रहूँगी । इसी तरह प्रात:स्मरणीया माता श्रीमती सुनयना झा जी (सदैव उत्साहित करति) और सचेत कराती रही, की ममता दुलार और प्रेरणाको सदा स्मरण करती रहूँगी ।

इसी प्रकार प्रत्यक्ष वा अप्रत्यक्ष रुप में इस शोध पत्र में सहयोग करने वाले अपने मार्गदर्शक गुरुजनेा तथा अन्य सभी विद्वत् वर्ग के प्रति धन्यवाद ज्ञापन करती हूँ।

अन्त में शुद्धाशुद्धि के साथ कम्प्युटर टाइप कर सहयोग करने वाले श्री भोला बि.सी. के प्रति आभार व्यक्त करती हूँ।

धन्यवाद

रागनी झा
हिन्दी केन्द्रीय विभाग
त्रिभुवन विश्वविद्यालय
कीर्तिपुर काठमाडू

विषय सूची

परिच्छेद-१: शोध परिचय **१-१८**

१.१ पृष्ठभूमि १

१.२ शोध समस्या ७

१.३ शोध का उद्देश्य ८

१.४ शोध का औचित्य ८

१.५ शोध की सीमा ९

१.६ शोधका व्यवस्थापन १०

१.७ तथ्यांक संकलन विधिः- १५

१.७.१ प्राथमिक स्रोत १६

१.७.२ द्वितीय स्रोत १७

१.७.३. प्रश्नावली १७

१.७.४ गोष्ठी तथा समारोहद्वाराः १८

१.८ तथ्यांक तथा सूचना का स्रोत १८

१.९ तथ्यांक प्रशोधन तथा विश्लेषण १८

परिच्छेद २: मिथिला राज्य की स्थापना **१९-३३**

२.१ मिथिला राज्य स्थापना पूर्वका ऐतिहासिक पृष्ठभूमिः १९

२.२ मिथिला राज्य की स्थापना २०

२.३ मिथिला राज्य की सीमाः २०

२.४ मिथिला वंशीय राजाओं का क्रमबद्ध नाम तालिका २१

२.५ मैथिली भाषा परिचय २२

२.५.१ मैथिली भाषा २२

२.५.२ मैथिली भाषा के आदि कवि २२

२.६ विद्यापति के आश्रयदाता राजाओं का क्रमबद्ध नाम तालिका २२

परिच्छेद ३: जनकवि विद्यापति की जीवनी व्यक्तित्व एवं कृतित्व **३४-४५**

३.१ कवि का प्रारम्भिक जीवन ३४

३.२ संस्कृत रचना ३५

३.३ उपाधिया ३६
३.४ धर्म सम्प्रदाय ३६
३.५ आश्रयदाता शिव सिंह ३८
३.६ मृत्युकाल ४१
३.७ हस्ताक्षर ४२
३.८ परिवार ४३
३.९ इनके सहपाठी पक्षधर मिश्राजी ४४
३.१० विद्वेषी केशव मिश्रजी ४५

परिच्छेद ४: विद्यापति की पदावली की विशेषता एवं विश्लेषण ४६-७१
४.१ श्रृंगार परक पदावली ५१
४.२ प्रार्थना ६०
४.३ नचारी ६०
४.४ सामाजिक विकृतियाँ और उसका उद्‌बोधन ६५

परिच्छेद ५ ७२-७९
५.१ जनप्रतिनिधित्व ७२
५.२ सुधार तथा उपाय ७९

अध्याय ६: सारांश, उपसंहार तथा निष्कर्ष ८०-८३
६.१ सारांश ८०
६.२ उपसंहार ८१
६.३ निष्कर्ष ८२

सन्दर्भग्रन्थ सूचि ८४